2

बचत तथा विनियोग
[SAVING AND INVESTMENT]

परिचय
(INTRODUCTION)

बचत तथा विनियोग एक परिवार के बजट के महत्वपूर्ण घटक होते हैं। नियमित रूप से एक छोटी राशि की बचत करना, अनियमित अन्तराल पर बड़ी बचत करने से सदैव बेहतर होता है। आज की आय से बचाया हुआ धन, भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये प्रयोग किया जा सकता है जो आयोजित अथवा अनायोजित हो सकता है। बचत सावधानीपूर्वक आयोजन का परिणाम होती है। धन को विनियोग करने के बहुत से मार्ग उपलब्ध हैं; जैसे—बैंक, डाकघर, जीवन बीमा, भविष्य निधि इकाइयाँ (यू. टी. आई.) पब्लिक लिमिटेड कम्पनियों के शेयर तथा ऋणपत्र। इनका सभी उपभोक्ताओं के लिये एक निश्चित मानक नहीं हो सकता। उपभोक्ता को इन मार्गों का स्पष्टीकरण कर लेना चाहिए तथा प्रत्येक साधन के लाभ एवं हानि की गणना करने के बाद ही उचित मार्ग को चुनने का निर्णय लेना चाहिए विनियोग का मार्ग ऐसा चुनना चाहिए जो सुरक्षित हो, जो उचित दर से वापसी देता हो तथा जहाँ धन का सुगम भुगतान सम्भव हो।

बचत का अर्थ
(MEANING OF SAVING)

पहले इस बात पर जोर दिया गया था कि धन प्रबन्धन के समय, आय तथा व्यय के मध्य एक सन्तुलन लाना आवश्यक है। ऐसा करते समय यह नहीं भूलना चाहिए कि कुछ धनराशि भविष्य में प्रयोग के लिये भी रखनी चाहिए, ताकि आय में गिरावट के बावजूद भी परिवार आर्थिक रूप से सुरक्षित अनुभव करे। धन का वह भाग जो आज की आय से कल के प्रयोग के लिए अलग रखा जाता है, बचत के रूप में जाना जाता है।

अत: बचत वर्तमान उपभोग से भविष्य के उपभोग के लिए अलग रखा हुआ भाग होता है। यह चालू आय से भविष्य की आवश्यकताओं तथा जरूरतों की देखभाल करने के उद्देश्य से कुछ राशि रखने की प्रक्रिया से सम्बन्धित होती है। यह सम्भव है कि भविष्य की यह आवश्यकताएँ अनदेखी अथवा ऐसी अनआशंकित परिस्थितियाँ जो परिवारों के नियन्त्रण से परे हों, के लिए आयोजित हो सकती हैं।

कीन्स के अनुसार, "वर्तमान आय का वर्तमान उपयोग व्यय पर आधिक्य को बचत कहा जाता है।"

देशपाण्डे के अनुसार, "बचत मनुष्य की आय का वह भाग है, जो वर्तमान आवश्यकताओं की पूर्ति में उपयोग नहीं किया जाता, बल्कि भविष्य के उपभोग के लिए समझ-बूझकर अलग उत्पादन के रूप में रखा जाता है और सम्पत्ति को पूँजी का स्वरूप दिया जाता है।"

बचत स्वत: संचित नहीं होती तथा वास्तव में बहुत से लोग इसे बिल्कुल भी संचित नहीं करते। अधिकांश व्यक्तियों तथा परिवारों के लिए बचत ध्यानपूर्वक आयोजन का परिणाम होती है। बचत के लिए प्रेरणा भी हो सकती है, जैसे कि घर या वाहन खरीदना, जिसको खरीदने के लिए एक बड़ी धनराशि की आवश्यकता होती है। कुछ भविष्य पूर्ति के लिये इच्छा, जैसे कि एक बच्चे के लिये महाविद्यालय शिक्षा भी कुछ परिवारों को बचत के लिए प्रेरित कर सकती है। आय के खोने का भय कुछ परिवारों में असुरक्षा की भावना को उत्पन्न कर देता है तथा यह उन्हें अच्छे विनियोग तथा बचत के लिए प्रेरित करता है।

बचत की आवश्यकता
(NEED OF SAVING)

एक परिवार को बचत की आवश्यकता अग्रलिखित कारणों से पड़ती है—

1. अनिश्चित भविष्य तथा आपातकाल की आशंका के कारण जब आय आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकती।

चित्र 1

2. सेवानिवृत्ति; जब आय समाप्ति के बाद धन की आवश्यकता होती है।

चित्र 2

3. बच्चों तथा परिवार की बढ़ती आवश्यकताओं के कारण जैसे कि शिक्षा अथवा अन्य बड़ी जरूरतों के लिए; जैसे–विवाह इत्यादि के लिए अधिक धन की आवश्यकता होती है।

4. अन्य महत्वपूर्ण उद्देश्यों की पूर्ति के कारण, जैसे कि घर की आवश्यकता, यात्रा तथा फर्नीचर इत्यादि की आवश्यकता।

एक परिवार के लिए, बचत का अर्थ तभी होता है जब इसका उद्देश्य अच्छी प्रकार आयोजित तथा सब के द्वारा समझा जाता है। परिवारों को जानना चाहिए कि वे बचत क्यों कर रहे हैं ताकि वे बचत के लिए नियमित आयोजन स्थापित कर सकें। बचत कार्यक्रम परिवार की आवश्यकताओं, आय तथा बिना कठिनाई के पूर्ति के अनुसार होने चाहिए। अत्यधिक रूप से महत्वांकाक्षी अथवा निम्न रूप से आयोजित कार्यक्रम बहुत तनाव तथा हतोत्साहन का कारण हो सकते हैं, जिसका परिणाम हताशा होती है तथा अन्त में बचत के सम्पूर्ण कार्यक्रम बन्धित हो जायेंगे।

बचत का सार सारी दुनिया में पहचाना जाता है तथा इसलिए 'विश्व बचत दिवस' (World Thirft Day) प्रत्येक वर्ष 30 अक्टूबर को मनाया जाता है और सरकारी संस्थाओं तथा उपभोक्ताओं को अधिक बचत के लिए प्रोत्साहित करने के लिए वित्तीय संस्थाएँ भी प्रयास करती हैं।